THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) Yes, Sir.

(b) Strike Ballot does not necessarily result in a strike. Nonetheless, continuous dialouge with the recognised Federations, both formally and informally through meetings discussions is always held with a view to resolve issues/demands. In this case also, the Federation has been advised of the position on their demands.

2547. [Transferred to 14th December 1992]

रेलगाड़ियों में खान-पान सेवा को समाप्त किया जाना

2548. श्रीमती सत्या बहिन : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ऐसी रेलगाड़ियों की संख्या कितनी है जिनमें गत दो वर्षों के दौरान खान-पान सेवाओं को समाप्त किया गया है और ऐसी रेलगाड़ियों के नाम क्या हैं जिनमें इसी अवधि के दौरान यह सुविधा प्रदान की गई है; और

(ख) उन पार्टियों का ब्यौरा क्या है जिन्हें इस सेवा के संचालन का ठेका दिया गया है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

Sanitary conditions at Old Delhi Railway Station

2549. SHRI IQBAL SINGH : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the bad sanitary conditions at the old Delhi Railway Station, posing a health hazard; and

(b) if so, the steps proposed to be taken by Government in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) and (b) The sanitary conditions at old Delhi Railway Station are generally satisfactory. Following steps have been taken to further improve the sanitation at this station :

(i) A large number of safaiwalas have been deployed for round the clock cleaning. Duty list of safaiwalas has been reveiwed so that individual responsibility can be fixed.

(ii) Suitable dustbins have been provided on the platforms.

(iii) Periodical checks are conducted by a task force team to monitor the cleanliness in the station premises.

(iv) Drainage and aprons of the platform lines have been improved.

(v) Platform lines are sprayed with disinfectants regularly.

रेलवे द्वारा फेरीवालों को लाइसेंस जारी करना

2550. श्री गया सिंह : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि लगभग दस लाख फेरीवाले रेलवे स्टेशनों, प्लेट फार्मों और गाड़ियों में खाने-पीने की वस्तुएं बेचकर अपनी आजीविका कमा रहे हैं; और

(ख) क्या यह भी सच है कि यदि रेल मंत्रालय इन सभी फेरीवालों को खाने-पीने की वस्तुएं बेचने के लिए लाइसेंस शुल्क वसूल कर लाइसेंस जारी करें तो रेलवे को प्रतिमाह करोड़ों रुपये की आमदनी हो सकती है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) :

(क) अनधिकृत फेरीवालों के कुछ मामले नोटिस में आए हैं, इस तरह के फेरी वालों की संख्या के बारे में आंकड़े नहीं रखे जाते ।